प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

विश्वविद्यालय में 18वीं राष्ट्रीय युवा संगोष्ठी का आयोजन

पंतनगर। 12 जनवरी 2023। विश्वविद्यालय में 18वीं राष्ट्रीय युवा संगोष्ठी का राष्ट्रीय युवा दिवस पर भव्य शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के पुरातन छात्र एवं राज्य सभा सदस्य, डा. सुधांशु त्रिवेदी उपस्थित रहे। उन्होंने अपने वक्तव्य में विद्यार्थियों के मध्य भारत के पाँच स्तम्भ–अर्थव्यवस्था, बुनियादी ढाँचा, प्रौद्योगिकी, जनसांख्यिकी शक्ति एवं विकास की गति के बारे में बताते हुए कहा कि आज देश निःसंदेह विश्व के समक्ष सबसे तेजी से बढ़ते हुए शक्ति के रूप में स्थापित हो रहा है। उन्होंने कहा कि विश्व की विगत दो शताब्दियों के इतिहास को देखते हुए यह स्पष्ट है कि दुनिया की समस्त उभरती हुए शक्तियाँ धीरे–धीरे मंदी के दौर से गुजर रहीं हैं अथवा आंतरिक तनाव, अस्थिरता एवं गैर प्रजातांत्रिक प्रणाली का शिकार हो रही हैं जिसे देखते हुए स्वाभाविक ही विश्व की दृष्टि भारत पर टिक गई है। उन्होंने कहा कि आगामी 25 वर्षों के अमृतकाल के लक्ष्यों की पूर्ति हेतु देश के युवाओं को अधिक सक्रिय होने की आवश्यकता है। उन्होंने उदाहरणों एवं आंकड़ों के आधार पर स्थापित किया कि भारत विश्वगुरू के रूप में अपना स्थान बना पाने में निःसंदेह सक्षम होगा।

मायावती स्थित अद्वैत आश्रम के अध्यक्ष स्वामी सुद्धीदानन्द ने इस अवसर पर बोलते हुए कहा कि स्वामी विवेकानन्द का जीवन सारे विश्व के लिए प्रेरणा का स्रोत है तथा आने वाले समय में स्वामी विवेकानन्द की भविष्यवाणियों के अनुरूप भारत निश्चित रूप से विश्व के सर्वाधिक उदीयमान देश के रूप में स्थापित होगा। उन्होंने स्वामी विवेकानन्द के जीवन का उदाहरण देते हुए कहा कि स्वामी जी के जीवन के प्रत्येक उद्धरण एवं गतिविधि भारत के स्वर्णिम भविष्य का स्पष्ट संकेत था जो समय के साथ अक्षरशः सत्य सिद्ध हो रहा है।

अखिल भारतीय परिषद के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री श्री प्रफुल्ल अकांत ने इस अवसर पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए घोषित किया कि भारत के युवाओं की दृढ़ इच्छाशक्ति से ही भारत महाशक्ति के रूप में विश्व में स्थापित होगा। उन्होंने बताया कि देश के आर्थिक विकास आधारित पारिस्थितिकी को देखते हुए यह स्पष्ट है कि कल का भारत रोजगार मांगने नहीं रोजगार देने वाले युवाओं का भारत होगा तथा भारतीय युवा अपने नवोन्वेषी प्रवृति से अपारंपरिक क्षेत्रों में भी हजारों रोजगारों का सृजन करेंगे जो पूरे विश्व के लिए अनुकरणीय होगा।

कार्यक्रम में विवेकानन्द केन्द्र, कन्याकुमारी की गुजरात प्रान्त संगठक सुश्री शीतल जोशी, आई.आई.एम., लखनऊ के पूर्व अधिष्ठाता डा. रोशन लाल रैना, आई.आई.एम., इंदौर के संस्थापक निदेशक डा. अभिजीत गंगोपाध्याय, उत्तराखण्ड के प्रसिद्ध उद्यमी एवं शिखर समूह के अध्यक्ष श्री मनोज जोशी तथा आई.आई.टी., खड़गपुर के पूर्व छात्र एवं उड़ीसा की जनजातियों में ग्रामीण विकास का बड़ा कार्य कर रहे श्री विशाल सिंह को कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय युवा संगोष्ठी पर युवाओं के नवोन्वेषी विचारों को संग्रहित कर एक ग्रन्थ का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम का संयोजन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के वैज्ञानिक एवं विश्वविद्यालय के पुरातन छात्र डा. गिरिजेश सिंह मेहरा ने किया। कार्यक्रम विवेकानन्द स्वाध्याय मंडल के तत्वावधान में एवं डा. शिवेन्द्र कश्यप, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय की देख–रेख में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान द्वारा की गई। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के समस्त अधिष्ठाता, निदेशक, इकाई प्रभारी, प्राध्यापक एवं छात्र उपस्थित रहे।

YUVA 2023